कार्यालय नगर परिषद, श्रीगंगानगर

1— **स्वच्छ भारत मिशन** :— स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत कच्ची बस्तियों में शौचालय विहीन मकानों में शौचालय निर्माण के लिये कुल 7746 का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। वर्ष 2015—16 में 2711 का लक्ष्य निर्धारित था जिसके विरूद्ध 4700 आवेदन अपलोड़ किये जा चुके है। 2488 आवेदन ऑनलाईन प्रमाणित तथा 1018 आवेदन निरस्त हो चुके है। 2337 आवेदकों को प्रथम किस्त के भुगतान की स्वीकृत्ति दी जा चुकी है। कुल 350 जलमग्न शौचालयों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा द्वितीय किस्त हेतु लाभार्थीयों द्वारा आवेदन प्रस्तुत किये जा रहे है। इस योजनान्तर्गत 03 सामुदायिक शौचालय निर्माण के लक्ष्य प्राप्त हुए थे, इसके अन्तर्गत 03 स्थानों को चिन्हित कर, 01 का निर्माण चालू है। सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण में 05 का लक्ष्य प्राप्त हुआ जिसमें 01 स्थान का चिन्हिकरण किया गया है। शेष हेतु कार्यवाही जारी है।

2— **एन.यू.एल.एम. (N.U.L.M.)** :— एन.यू.एल.एम. के ऋण संबंधी आवेदकों का साक्षात्कार दि.18.09.2015 को परिषद् सभाकक्ष में लिया गया। साक्षात्कार दौरान 177 स्वीकृत्त व 09 निरस्त किये गये तथा 66 आवेदक अनुपस्थित रहे। स्वीकृत्त आवेदन पत्रों को बैंक में स्वीकृत्ति हेतु भिजवा दिया गया है। इनमें 354 फार्म भरवाकर ऑनलाईन कर, 489 फार्म आर.एस.एल.डी.सी. ऑफिस, श्रीगंगानगर में भिजवा दिये गये है। दिनांक 25 व 26 फरवरी 2016 को विशेष कैम्प लगाया गया जिसमें बच्चों की आर.एस.एल.डी.सी. द्वारा काउसलिंग की गई। माह नवम्बर 2015 तक 535 आवेदन प्राप्त हुए जिनकी जांच करने के पश्चात् टास्क फॉर्स द्वारा इन आवेदकों का दिनांक 08.12.2015 व 09.12.2015 को साक्षात्कार लिया गया, जिसके अन्तर्गत 453 आवेदक ही सही पाये गये एंव 119 आवेदक अनुपस्थित रहे व 27 आवेदन पत्रों को निरस्त किया गया। स्वीकृत्त आवेदन पत्रों को बैंकों में भिजवा दिया गया है। बैंक से 82 आवेदनों की स्वीकृत्ति आ गई है। 20 आवेदकों को लोन 12,84,500/— रू. मिल चुका है। 25 ओवदकों की लोन हेतु ई.डी.पी. ट्रैनिंग चल रही है। एन.यू.एल.एम. योजनान्तर्गत स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर के पत्रांक 5067—5107 दिनांक 14.07.2014 में दो आश्रय स्थल निर्माण के लिए राशि रू 60.00 लाख की का बजट आवंटित किया गया था। जिसके उपरांत वार्ड नं. 40 व वार्ड नं. 3 में आश्रय स्थल निर्माण कार्य चालू है।

3— **एल.ई.डी. लाईट्स (L.E.D. Lights)** :— परिषद् क्षेत्र में स्ट्रीट लाईटों पर एल.ई.डी. में बदलने हेतु ESSL के साथ अनुबन्ध माह अप्रेल 2015 में हस्ताक्षरित कर लिया गया है। परन्तु श्रीगंगानगर शहर

इसके प्रथम फेज में सम्मिलित नहीं होने के कारण यहां पर यह कार्य नवम्बर दिसम्बर में शुरू होना संभावित था।

4— **डबल एन्ट्री सिस्टम (Double Entry Accounting System)** :— डबल एन्ट्री सिस्टम से एन्ट्री की जा रही है।

5— **रिसोर्स मोबिलाईजेशन (Resource Mobilization)** :— सूरतगढ़ सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट (एडीएम बिल्डिंग, प्रभात नगर), सूरतगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत सी.एस.आर. फण्ड से 50.00 लाख रू0 वाहन क्रय करने हेतु स्वीकृत्ति प्रदान की गई है।

7— **जी.आई.एस. मेपिंग (GIS Mapping)** :— अमृत्त मिशन सिटीज की प्रगति के लिये दि.05.12.2015 को आयोजित वर्कशॉप में निर्णय लिया गया कि 29 अमृत्त सिटीज का जी.आई.एस. बेसड् मास्टर प्लान बनाने का कार्य डी.ओ.आई.टी. को अवार्ड किया जा चुका है, जिसे मार्च 2017 तक तैयार किया जाना है। इसका फण्ड अमृत्त मिशन के A&OE फण्ड में से किये जाने का निर्णय किया गया। यह भी निर्देशित किया गया कि स्मार्ट राज बजट का डाटा जी.आई.एस. मेपिंग के साथ इन्टरलिक्ड/इन्टिग्रेटेड किया जावेगा।

8— **हाउसिंग फार आल (Housing for All)** :— नगर परिषद, श्रीगंगानगर के पास भूमि उपलब्ध नहीं होने कारण यह योजना लागू नहीं है।

9— **स्मार्ट राज (Smart Raj)** :— कार्य प्रगति पर है।

1– राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर दर्ज लम्बित परिवेदनाओं के निस्तारण की समीक्षा :– राजस्थान सम्पर्क पोर्टल में आदिनांक तक 34 प्रकरण लम्बित है, जिनका निर्धारित अवधि में निस्तारण कर दिया जावेगा।

2– भामाशाह योजना :– श्रीगंगानगर शहर में कुल 48,025 परिवार है, जिनमें से 24,881 परिवारों (74,767 सदस्यों) का नामांकन भामाशाह योजना में किया गया है। नामांकन के बाद अब तक 21,018 परिवारों के भामाशाह कार्डो का वितरण कर दिया गया है। वर्तमान में भामाशाह सीडिंग केम्प वार्डवाईज लगाये जा रहे है, जिसके अन्तर्गत भामाशाह नामांकन व आधार कार्ड नामांकन किये जा रहे है।

3– आर.यू.आई.डी.पी. :– श्रीगंगानगर शहर के लिये थर्ड फेज के अन्तर्गत वाटर सप्लाई के लिए राशि रू. 186.15 करोड़ एंव सीवरेज परियोजना के लिए राशि रू 233.90 करोड़ राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत्त किये गये है, जिसकी आर.यू.आई.डी.पी. द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) का कार्य प्रगति पर है।

4– अमृत्त योजना (A.M.R.U.T.) :– अमृत योजनान्तर्गत श्रीगंगानगर शहर के विकास के लिये 35.00 करोड़ रू0 के प्रस्ताव की SLIP (Service Level Improvement Plan) तैयार कर आगामी कार्यवाही हेतु कार्यकारी निदेशक (RUIFDCO) जयपुर को भिजवा दिया गया है जिसमें (1) 20.00 करोड़ रू0 Storm Water Drainage (2) 10.00 करोड़ रू0 Septag Management (3) 5.00 करोड़ रू0 के Green Space & Parks के प्रस्ताव है। उक्त कार्यो की डीपीआर तैयार करवाने के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसमें किसी भी फर्म द्वारा बिड नहीं आई थी। डी.पी.आर. तैयार करवाने हेतु पुनः ऑनलाईन निविदा में सिंगल बिड प्राप्त हुई है। आगामी कार्यवाही प्रगति पर है।

5– पेयजल योजना (PHED) :– राज्य सरकार द्वारा पेयजल योजना नगर परिषद, श्रीगंगानगर को हस्तान्तरित हो चुकी है। कार्य प्रक्रियाधीन है।